जेबीएम ग्रुप, नई दिल्ली के 'अमृतकाल संकल्प सिद्धि यात्रा' समारोह में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का सम्बोधन

'अमृतकाल में संकल्प से सिद्धि की ओर' – जेबीएम ग्रुप के वार्षिक समारोह के अंदर जेबीएम ग्रुप के चेयरमैन श्री एस.के.आर्य जी, जो केवल इंडस्ट्री को ही नहीं चलाते हैं, बल्कि सामाजिक सेवा में मानवता सेवा और लोगों को सुसंस्कृत और संस्कारित करने में भी बहुत बड़ा योगदान देते हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी के विचारों, उनके सिद्धांतों और आर्य प्रतिनिधि के प्रमुख के रूप में उनका समाज में बहुत बड़ा योगदान है।

इस ग्रुप के उपाध्यक्ष एवं हमारे नौजवान मित्र श्री निशांत आर्य जी, मारुति सुजुकी के जीएमडी एस.कटोरी जी, श्री सुनील कक्कड़ जी, श्री एस.के.गुनेडा जी, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रमुख धर्मपाल आर्य जी, सचिव, विनय आर्य जी, सुरेन्द्र जी, योगेन्द्र जी, जो हमारे कोटा में सामाजिक सेवाएं करते रहते हैं और हमेशा समाज के लिए समर्पण भाव से कार्य करते हैं, श्री अर्जुनदेव चड्ढ़ा जी, श्री आनंद स्वरूप जी एवं इस ग्रुप के संकल्प तथा देश के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए यहां पधारे सभी महानुभावों का मैं अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं।

आज बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती है। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर एक विजनरी लीडर थे। उन्होंने उस समय अभाव में रहते हुए अपनी शिक्षा-दीक्षा से आजादी के आंदोलन में योगदान दिया और आजादी के बाद इस देश का संविधान बनाने में भी योगदान दिया।

आज हम सबको इस बात का गर्व है कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। भारत की डेमोक्रेसी दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी है। डेमोग्राफी के रूप में हमने अपनी विविध संस्कृति एवं संस्कारों के साथ इस 75 वर्ष की यात्रा में लोगों के जीवन में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन किए हैं।

भारत एक ऐसा देश है जहां हमेशा लोकतंत्र प्रणाली और लोकतंत्र पर विश्वास व्यक्त किया गया है। आजादी के बाद हमने दुनिया को बता दिया कि हमारे यहां जितनी विविधताएं हैं, वे हमारी ताकत और शक्ति हैं। अलग-अलग भाषा, अलग-अलग वेश-भूषा, अलग-अलग संस्कृति, अलग-अलग खान-पान एवं अलग-अलग बोली होते हुए भी हमने साथ मिलकर सामूहिकता के साथ अपने हर संकल्प को पूरा किया है।

आज मुझे खुशी है कि जेबीएम ग्रुप ऑफ मारुति सुजुकी ने भी इसी दिशा की ओर, आने वाले जो 25 वर्ष हैं, जब हमारी आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे, हमारा जो विकसित भारत बनाने और अपनी विरासत

और अपने अतीत को संजोए हुए आधुनिक भारत बनाने का लक्ष्य है, उसके लिए पूरा देश एक साथ मिलकर काम कर रहा है।

भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 अगस्त को लाल किले से आह्वान किया कि वर्ष 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, सबके सामूहिक प्रयासों से, सबके सामूहिक संकल्पों से। जब हम सब अपने-अपने दायित्वों को निभाएंगे, जिस जगह पर काम कर रहे हैं, जिस सेक्टर में काम कर रहे हैं, जिस संस्थान में काम कर रहे हैं, वहां हम देश को पहले रख कर कि प्रथम राष्ट्र है, इसी संकल्प के साथ काम करेंगे तो हमारी सामूहिक शक्ति इतनी बड़ी है कि हम हर संकल्प को पूरा करेंगे। इसलिए हमें नए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है, नवाचारों का उपयोग करना है, हमारे मानव संसाधन में इनोवेशन करने की क्षमता हो, लेकिन हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार, हमारी संवेदना हमारे कामों में हैं क्योंकि केवल भौतिक संसाधनों से देश आगे नहीं बढ़ सकता।

जब तक उस देश के अन्दर अध्यात्म नहीं होगा, संस्कृति नहीं होगी, अच्छे संस्कार नहीं होंगे, संवेदना नहीं होगी, अच्छे विचार नहीं होंगे, तब तक देश कभी आगे नहीं बढ़ सकता। यही हमारे भारत की ताकत है। हमारा अध्यात्म, हमारी संस्कृति, अतीत की हमारी गौरवशाली परंपराएं, उसको लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

आज जेबीएम ग्रुप में भी इसी तरीके से इनोवेशन, नए रिसर्च के माध्यम से, दुनिया को हम यह बताना चाहते हैं कि ईंधन के मामले को लेकर हमने कहा है कि हम हरित ऊर्जा बनाएंगे। इसी लक्ष्य को लेकर हम चल रहे हैं। जेबीएम ग्रुप ने इलेक्ट्रिक बसेज बनाने का काम किया है, इनोवेशन्स किए हैं, रिसर्च किए हैं। निसान जी से मेरी चर्चा हो रही थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2080 तक भारत में 80 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर आएंगे। स्वच्छ ईंधन का नारा प्रधान मंत्री जी ने दिया है। इस जलवायु परिवर्तन से होने वाले परिवर्तनों से हमने दुनिया को सजग किया। इतनी बड़ी आबादी, भौतिक संसाधन न होने के बाद भी स्वच्छ ईंधन के हमारे संकल्प और इसके लिए इलेक्ट्रिक वेहिकल्स बनाना, उनका इनोवेशन करना हमारे लिए एक चुनौती थी, लेकिन हमने इस चुनौती में भी एक विश्वास के साथ काम किया और चुनौतियों का समाधान करने का काम किया।

मुझे पूरी आशा है कि आप सब लोग, जो इस संस्थान में काम कर रहे हैं, जिस संकल्प के लिए काम कर रहे हैं, उस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाएंगे।

इसी के साथ संस्थान ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को भी पूरा किया है। मैंने देखा कि किस तरीके से हेल्थ के विषय पर, महिलाओं के रोजगार के विषय पर, अध्यात्म के विषय पर, योग के विषय पर

मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए और हर व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास हो, उसके लिए थीम पर यह संस्थान काम कर रहा है। इसलिए इस संस्थान में हर काम करने वाला व्यक्ति इस संस्थान का भागीदार है, परिवार का सदस्य है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की संस्कृति इस संस्थान में है।

मेरा भी पहली बार किसी संस्थान में आना हुआ है। मैं किसी संस्थान के कार्यक्रम में नहीं जाता हूं, लेकिन आर्य साहब सुसंस्कृत विचारों से, आध्यात्मिकता से इस संस्थान को चला रहे हैं। मैंने देखा भी है कि कोविड के समय भी कोविड की चुनौतियों से सामूहिकता के साथ लड़ना और चुनौतियों के बाद भविष्य में जो कोविड के प्रभाव हैं, उनका आकलन करना तथा उन चुनौतियों का समाधान करना, इसके लिए पूरी थीम पर इस संस्थान ने काम किया है।

मुझे खुशी है कि आने वाले समय में जो देश का लक्ष्य है और जलवायु परिवर्तन में इस संस्थान और हम सबका योगदान होगा तथा उसके अंदर यह संस्थान एक बेहतरीन काम करेगा।

आने वाले समय में क्लाइमेंट चेंज के विषय पर और बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए भी एक सार्थक प्रयास इस संस्थान का है, एक सार्थक लक्ष्य है, संकल्प है।

मुझे आशा है कि इस लक्ष्य और संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में जो आत्मविश्वास है, उस आत्मविश्वास से पूरा संस्थान मिलकर सामूहिकता से काम करेगा। हम सब नए भारत के निर्माण में योगदान देंगे। वर्ष 2047 तक हमारे लिए 25 साल इस संकल्प की सिद्धि की ओर होंगे और इन 25 सालों में हम कड़ी मेहनत, समर्पण, सेवा और निष्ठा से काम करके भारत को दुनिया का अभिन्न राष्ट्र बनाने में अपना योगदान देंगे। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।